साप्ताहिक
निष्पक्ष...निर्भीक...निरंतर...
विश्वास का तीर
सपांदक- आयुष राजपूत
RNI.NO- MPHIN/2022/83636
वर्ष-03 | अंक-22 | भोपाल, प्रति शुक्रवार 12 अप्रैल 2024 | मूल्य-10 रूपयें | पृष्ठ-08

छिंदवाड़ा से बाहर नहीं निकल रहे नाथ

शिवराज विदिशा और सिंधिया गुना तक सीमित, तोमर ने ग्वालियर-चंबल में डेरा डाला, भूरिया झाबुआ में उलझे

विश्वास का तीर

डाले हुए हैं।वे कह भी चुके हैं कि जब तक छिंदवाड़ा में वोटिंग नहीं हो जाएगी, तब तक नकुलनाथ को अकेला छोड़कर कहीं नहीं जाएंगे। यहां तक कि कांग्रेस के घोषणा-पत्र को लेकर दो दिन पूर्व कांग्रेस के सभी बड़े नेताओं की संयुक्त प्रेसवार्ता में भी कमलनाथ नहीं आए। विधानसभा चुनावों में प्रदेश की 200 से ज्यादा सीटों पर पहुंचकर सभाएं लेने वाले शिवराज सिंह चौहान विदिशा और भोपाल तक सीमित होकर रह गए हैं। शिवराज विदिशा लोकसभा क्षेत्र के बाहर सिर्फ होशंगाबाद और छिंदवाड़ा में एक-एक बार ही गए हैं। भोपाल में घर होने के कारण यहां जरूर उनकी गतिविधियां नजर आती हैं, लेकिन प्रदेश के दूसरे हिस्सों में न तो वे प्रचार के लिए जा रहे हैं, न ही प्रत्याशियों की ओर से उनकी ज्यादा डिमांड आ रही है।

तोमर की सिफारिश पर टिकट... इसलिए जिताने का जिम्मा भी

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया गुना-शिवपुरी लोकसभा क्षेत्र में सक्रिय हैं। इसके अलावा सिर्फ ग्वालियर में एक दो बार नजर आए हैं। विस स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर ने ग्वालियर-चंबल में डेरा डाल लिया है। मुरैना में उनके करीबी शिवमंगल तोमर, ग्वालियर में भारत सिंह कुशवाह और भिंड से संध्या राय प्रत्याशी हैं। तीनों टिकट तोमर ने दिलवाएं हैं, इसलिए इन्हें जिताने का जिम्मा भी पार्टी ने तोमर के कंधों पर डाल दिया है। सांसद दिग्विजय सिंह राजगढ़ में पदयात्रा कर प्रचार में जुटे हैं। इसके अलावा वे सिर्फ भोपाल में सक्रिय हैं। आदिवासियों के नेता कांतिलाल भूरिया लोकसभा चुनाव के पहले से झाबुआ-अलीराजपुर-रतलाम में डेरा डाले हुए हैं। वे अन्य किसी आदिवासी बहुल सीट पर प्रचार करने नहीं निकले। उनके विधायक बेटे विक्रांत ने भी चुनावी व्यस्तता के कारण यूथ कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष का पद भी छोड़ दिया है।

भाजपा में मोहन-वीडी-कैलाश, कांग्रेस में जीतू, उमंग, तन्खा

भाजपा में शिवराज की जगह अब डॉ. मोहन यादव हर दिन प्रदेश के किसी ने किसी सीट पर रैली, सभा और रोड शो करने पहुंच रहे हैं। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा खजुराहो से चुनाव लड़ते हुए आसपास की लोकसभा सीटों पर भी प्रचार में सक्रिय हैं। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत मंत्री प्रह्लाद पटेल की सक्रियता चुनाव प्रचार में अधिक बढ़ गई है। कांग्रेस में प्रदेश स्तर पर प्रचार का सर्वाधिक दारोमदार प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी पर ही है। उनके अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा सामूहिक दौरे कर रहे हैं। प्रदेश मुख्यालय पर पार्टी के कार्यक्रमों में भी यही चारों नेता प्रमुख रूप से नजर आ रहे हैं।

भोपाल के तालाब में डूबी 2 बहनें

विश्वास का तीर

भोपाल के रातीबढ़ इलाके में स्थित ग्राम आमला के खेत में बने तालाब में डूबने से दो बहनों की मौत हो गई। घटना के वक्त उनकी तीसरी बहन भी साथ थी, सबसे छोटी बहन पहले पानी में डूबी थी। तीसरे नंबर की बहन उसे बचाने के प्रयास में गहरे पानी में चली गई थी। उन्हें डूबता देख किनारे पर खड़ी बहन ने शोर मचाकर मदद मांगी। जब तक मां और आसपास के लोग आए तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। घटना शुक्रवार की सुबह करीब 10:30 बजे की है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। दोनों शव पीएम के लिए हमीदिया हॉस्पिटल की मर्चुरी में भेज दिया था। शाम 4:30 बजे करीब दोनों शव परिजनों को सौंप दिए गए। जानकारी के मुताबिक दीप्ति वर्मा (13) तनुश्री वर्मा (9) रिदिमा वर्मा (15) सगी बहन हैं, और ग्राम बढ़झिरी में रहती थीं। उनके पिता राजा राम वर्मा गांव में ही खाद बेचने का काम करते हैं। उनकी दुकान घर के पास ही है। शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे तीन बेटियों के साथ महिला चिंता बाई ग्राम आमला में अपने खेत पर गई थीं। महिला ने खेत में पहले प्याज निकाले। इसके बाद गेहूं साफ करने लगी। इस बीच खेत में ही बने तालाब के पास उनकी तीनों बेटियां रिदिमा, दीप्ति और तनुश्री चली गई। यहां दीप्ति और तनुश्री नहाने के लिए तालाब में उतर गई। जबकि रिदिमा किनारे पर ही खड़ी रही। तनुश्री किनारे पर तालाब में लगे एक पाइप पर खड़ी थी। तभी पांव फिसलने के बाद गहरे पानी में चली गई। उसे बचाने दीप्ति भी पानी में उतरी, और डूबने लगे। यह देख रिदिमा ने शोर मचाया। इसके बाद मां और आसपास के लोग आए तब तक दोनों बहनों की मौत हो चुकी थी। बच्चियों के पिता राजा राम ने बताया कि दीप्ति और तनुश्री दोनों गांव के ही एक स्कूल में पढ़ती थीं। दीप्ति पांचवीं और तनुश्री तीसरी कक्षा में पढ़ती थी।

भोपाल लोकसभा चुनाव में एक्टिव मोड में टीमें

अब तक 1.24 करोड़ की अवैध शराब-नकद जब्त; अब दिन-रात होगी चेकिंग

विश्वास का तीर

लोकसभा चुनाव के चलते पुलिस और जिला प्रशासन की टीमें एक्टिव मोड में है। आचार संहिता लगने के बाद अब 1.24 करोड़ रुपए की अवैध शराब और नकद राशि जब्त की जा चुकी है। इनमें 57 लाख की अवैध शराब और 59 लाख रुपए की नकदी भी शामिल हैं। नॉमिनेशन की प्रोसेस शुरू होते ही अब शहर के 21 पाइंट और 5 जिलों की 21 सीमाओं पर भी कड़ी चेकिंग शुरू हो गई है। दिन-रात टीमें अवैध शराब या ब्लैक मनी ले जाने वालों पर नजर रखेगी। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि अब तक 59 लाख 74 हजार रुपए नकद राशि, 57 लाख 59 हजार 855 रुपए कीमत की अवैध शराब और 6 लाख 18 हजार रुपए कीमत के अन्य नशीले पदार्थ भी जब्त किए गए हैं। जिला प्रशासन की टीमें, पुलिस और आबकारी विभाग ने यह कार्रवाई की है। आचार संहिता तक यह कार्रवाई जारी रहेगी।

कलेक्टर बोले- बिना वजह नहीं रोका जाएगा

50 हजार रुपए या उससे अधिक नकदी लेकर चलने वालों पर टीमों की नजर रहेगी। ऐसे में अगर आपके पास नकदी का हिसाब-किताब नहीं है, तो टीम उसे जब्त कर लेगी। इसके बाद नोटिस के जवाब में संबंधित को तय समय सीमा में हिसाब-किताब देना होगा। यानी यह पैसा कहां से आया और कहां ले जाया जा रहा था। उस पैसे का सोर्स सबूतों के साथ बताना जरूरी होगा। सोना और चांदी के जेवर भी बिल के साथ रखना होगा। कलेक्टर सिंह ने बताया, बैंक के पैसे का निराकरण मौके पर ही करने के निर्देश दिए गए हैं। बैंक या उससे जुड़े लोगों को बिना वजह नहीं रोकने को कहा गया है।

इसलिए कार्रवाई

■नॉमिनेशन की प्रोसेस शुक्रवार से शुरू हो गई। इसके साथ ही टीमें एक्टिव मोड में आ गई है। अब भोपाल से जुड़े 5 जिले- रायसेन, विदिशा, सीहोर, राजगढ़ और गुना जिलों की 19 सीमाओं पर भी टीमें तैनात रहेंगी।

■चुनाव के दौरान बड़ी मात्रा में ब्लैक मनी का उपयोग होने की आशंका रहती है। इस कारण इस दौरान नकदी पर ज्यादा नजर रखी जाएगी।

■अफसरों का कहना है कि चुनाव आयोग द्वारा लोगों को नकदी ले जाने या रखने से रोका नहीं गया है, उन्हें बस चैकिंग करने उसकी पूरी जानकारी उपलब्ध करना होता है। इससे जहां रुपयों के सोर्स का पता चलता है, वहीं राशि कहां खर्च होने वाली है, उसकी जानकारी भी मिलती है।

6 शहरी और 13 ग्रामीण सीमाएं

भोपाल से 5 जिलों की 19 सीमाएं लगती हैं। इनमें 6 सीमाएं शहरी क्षेत्र में हैं, जबकि 13 ग्रामीण क्षेत्रों में लगती हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान इन सीमाओं पर सुरक्षा व्यवस्था और चेकिंग के लिए जिला प्रशासन ने पुलिस के साथ प्लान तैयार किया है। इस प्लान पर अब अमल भी किया जाने लगा है। टीमें तैनात हो गई हैं।

शहर से ये सीमाएं जुड़ी
टोल नाके के पास बायपास तिराहा
हिनोतिया बीएसएफ रोड
फंदा टोल नाका खजूरी सड़क
गोल जोड़
रातीबड़ चौराहा
11 मील चौराहा मिसरोद

ग्रामीण क्षेत्रों में ये सीमाएं
परवलिया सड़क थाने के सामने
सोराहा से आगे बैरसिया
विदिशा रोड बैरसिया
रामपुर बालाचोन
जूना पानी
कलारा
ग्राम उनिदा
सूरजपुरा जोड़
पार्वती पुल मेंगरा नवीन
बीलखों
डय्यन
बिलखिरिया पेट्रोल पंप के सामने
ग्राम देहरी

सबसे ज्यादा 11 सीमाएं बैरसिया में

सबसे ज्यादा 11 सीमाएं बैरसिया विधानसभा में बनाई जाएंगी। इसके बाद हुजूर में 5 सीमाएं रहेंगी। नरेला में भी 3 सीमाएं हैं। इस तरह 3 विधानसभाओं में ही 19 सीमा चौकियां बनाई जाएगी। गोविंदपुरा, भोपाल उत्तर, भोपाल मध्य और भोपाल दक्षिण-पश्चिम में कोई सीमाएं नहीं हैं। ये विधानसभा शहर के अंदर ही है। सीहोर विधानसभा में भी करीब 5 सीमाएं बनेगी।

भोपाल के युवकों ने दिल्ली में की साइबर ठगी

5 आरोपी गिरफ्तार, 41 सिम कार्ड, चार फोन और 18 बैंक पासबुक बरामद

विश्वास का तीर

भोपाल के 4 युवकों दिल्ली पुलिस ने साइबर ठगी के मामले में गिरफ्तार किया है। मामले में एक अन्य आरोपी को भी अरेस्ट किया गया है। उनके कब्जे से 41 सिम कार्ड, चार फोन और 18 बैंक पासबुक बरामद की हैं। आरोपियों ने दिल्ली के एक एडवोकेट को वाट्सएप कॉल कर बताया था कि उनके बेटे को रेप केस में हिरासत में लिया गया है। उन्होंने जेल नहीं भेजने के ऐवज में 70 हजार रुपए ट्रांसफर करा लिए। दिल्ली पुलिस के मुताबिक रोहिणी सेक्टर-4 निवासी दीपक कुमार ने 7 मार्च को अपनी शिकायत में बताया था कि उन्हें अनजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को पुलिस अधिकारी बताते हुए कहा कि उसका बेटा दुष्कर्म के मामले में पुलिस हिरासत में है। 70 हजार रुपए देने पर उसे छोड़ दिया जाएगा। दीपक ने बेटे से बात कराने को कहा तो ठगों ने उसकी किसी शख्स से रुंधी सी आवाज में बात भी कराई। इसके बाद उन्होंने 4 बार में 70 हजार रुपए यूपीआई से भेज दिए। बाद में उन्हें पता चला कि वह अपने दोस्तों के साथ घूम रहा था। पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाने में केस दर्ज कर लिया गया है।

बैंक खातों से आरोपियों तक पहुंची पुलिस

दिल्ली पुलिस ने बैंक खातों की जांच शुरू कर गुरुवार को भोपाल से विश्वजीत गिरी को दबोचा। उसकी निशानदेही पर सुधीर पाल, रवि, कुजीलाल और माया सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया। इन लोगों से पूछताछ में सामने आया कि पकड़े गए आरोपी गिरोह के सदस्यों को सिम कार्ड और बैंक खाते मुहैया कराते थे। फिलहाल अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है।

जैसा दीपक गुप्ता ने अपनी शिकायत में बताया

दिल्ली के रोहिणी में रहने वाले एडवोकेट दीपक गुप्ता ने अपनी शिकायत में बताया- 7 मार्च 2024 को मुझे +92 3077237001 (पाकिस्तान) से वॉट्सऐप कॉल किया गया। कॉल करने वाले ने खुद का नाम विजय कुमार बताया। कहा- मैं दिल्ली के सदर थाने से बात कर रहा हूं। हमने अभिमन्यु और उसके तीन दोस्तों को हिरासत में लिया है। सभी के खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज थी। बातचीत के दौरान अभिमन्यु को रिहा करने के लिए 70 हजार रुपए की मांग की गई। साथ ही संबंधित रकम फोन नंबर 8435ऽऽऽ45ऽ पर यूपीआई करने के लिए कहा गया। कॉल करने वाले को जब मैंने बेटे अभिमन्यु से बात कराने का कहा तो उन्होंने मिलती-जुलती आवाज फोन पर ही सुनवाई। इसके बाद मैंने उनके बताए गए फोन नंबर पर दो बार 20-20 हजार रुपए भेजे, और बेटे को छोड़ने के लिए कहा। लेकिन वे 30 हजार रुपए और मांगते रहे। आखिरकार उन्हें दो बार में 24 हजार और 6 हजार रुपए सेंड किए। जैसे ही उनके पास 70 हजार रुपए भेजे गए। वे ढाई लाख रुपए और मांगने लगे। तब मैंने कहा कि मेरे पर इतने रुपए नहीं है। लेकिन, वे अपनी मांग पर अड़े रहे। तभी मुझे लगा कि मेरे साथ फ्रॉड हुआ। मैं पुलिस स्टेशन पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई।

चारों आरोपियों को मिली जमानत

साइबर जालसाजी के मामले में गिरफ्तार भोपाल के चारों आरोपियों को दिल्ली पुलिस ने जमानत दे दी है। बताया जा रहा है कि ठगी के असल मास्टरमाइंड पाकिस्तान में बैठे हैं। दिल्ली पुलिस की अब तक की जांच में साफ हुआ कि भोपाल के चारों के खाते फर्जीवाड़े के लिए इस्तेमाल किए गए हैं। इन खाते में ठगी की रकम को ट्रांसफर कराया जाता था। इसके लिए उन्हें कमीशन मिलता था।

कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा से रेप

विश्वास का तीर

शहर में शादी का झांसा देकर रेप के दो मामले सामने आए हैं, जिसमें पिपलानी थाना क्षेत्र में में रहने वाली एक निजी कॉलेज की छात्रा से उसी कॉलेज के एक स्टूडेंट ने पहले शादी का कहकर शारीरिक संबंध बनाए और बाद में इनकार कर दिया। जिसके बाद युवती ने आरोपी छात्र की शिकायत पुलिस को की। इसी तरह एमपी नगर थाने में एक युवती ने मामले की शिकायत करते हुए बताया कि उनके एक पारिवारिक मित्र ने शादी का झांसा देकर रेप किया और बाद में शादी करने से इनकार कर दिया। पुलिस के अनुसार दोनों ही आरोपी अभी फरार हैं, जल्द से जल्द इनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

अपने ही कॉलेज के छात्र के खिलाफ हुई शिकायत

पिपलानी थाना क्षेत्र के आनंद नगर में रहने वाली एक छात्रा जो कि प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रही है, उसके गांव के एक युवक जो कि कॉलेज में ही पढ़ता था, उसने युवती से शादी का वादा किया और पिछले कई महीनों से दोनों के संबंध बने, पुलिस के अनुसार घटना स्थल फरियादी का किराए का घर ही था, जहां पर आरोपी युवक ने इस घटना को अंजाम दिया। जब आरोपी युवक ने शादी करने से इनकार कर दिया तब युवती ने इस मामले की शिकायत पिपलानी पुलिस को की, एएसआई भरत सिंह मीणा ने बताया कि आरोपी युवक अभी फरार है, आरोपी की तलाश की जा रही है।

4 साल से रह रहे थे साथ

एक अन्य मामले में पुलिस ने बताया कि एमपी नगर के शिवाजी नगर में रहने वाली एक युवती जिसके एक पारिवारिक मित्र ने रेप किया। जिसकी शिकायत युवती द्वारा 11 अप्रैल को की गई, युवती ने बताया कि उसके द्वारा पिछले चार साल से आरोपी युवक द्वारा शारीरिक संबंध बनाए, दोनों के परिवारों के बीच शादी की बात भी पिछले एक साल से चल रही थी, अंत में युवक ने शादी से इनकार कर दिया। जिसके बाद इस मामले की शिकायत पुलिस के पास पहुंची, पुलिस के अनुसार आरोपी युवक अभी फरार है।

आलेख

चुनाव में व्यक्ति नहीं, मूल्यों की स्थापना का दौर चले

लोकसभा चुनावों की सरगर्मियां उग्र से उग्रतर होती जा रही है, पहली बार भ्रष्टाचार चुनावी मुद्दा बन रहा है, कुछ भ्रष्टाचार मिटाने की बात कर रहे हैं तो कुछ भ्रष्टाचारियों को बचाने की बात कर रहे हैं। मुसलमान वोटों की राजनीति करने वाले दल अपने घोषणा पत्रों में उनके कल्याण की कोई बात ही नहीं कर रहे हैं, मुसलमानों का सशक्तीकरण करने की बचाय उनके तुष्टीकरण को प्राथमिकता दी जा रही है। कुछ दल देश-विकास की बात कर रहे हैं तो कुछ दल विकास योजनाओं की छिछालेदार कर रहे हैं। किसी भी दल के चुनावी मुद्दे में पर्यावरण विकास की बात नहीं हैं। व्यक्ति नहीं, मूल्यों की स्थापना के स्वर कहीं भी सुनाई नहीं दे रहे हैं। सत्ता और स्वार्थ ने अपनी आकांक्षी योजनाओं को पूर्णता देने में नैतिक कायरता दिखाई है। केजरीवाल जेल से सरकार चलाने की बात करके नैतिक एवं राजनीतिक मूल्यों के आन्दोलन से सरकार बनाने के सच को ही बदनुमा बना दिया है। इसकी वजह से लोगों में विश्वास इस कदर उठ गया कि चौराहे पर खड़े आदमी को सही रास्ता दिखाने वाला भी झूठा-सा लगता है। आंखें उस चेहरे पर सचाई की साक्षी ढूंढती हैं। समस्याओं से लड़ने के लिये हमारी तैयारी पूरे मन से होनी चाहिए। लोकतंत्र के महापर्व पर समझना चाहिए कि हमने जीने का सही अर्थ ही खो दिया है। यद्यपि बहुत कुछ उपलब्ध हुआ है। कितने ही नए रास्ते बने हैं। फिर भी किन्हीं दृष्टियों से हम भटक रहे हैं। भौतिक समृद्धि बटोरकर भी न जाने कितनी रिक्तताओं की पीड़ा सही है। गरीब अभाव से तड़पा है, अमीर अतृप्ति से। कहीं अतिभाव, कहीं अभाव। जीवन-वैषम्य कहां बांट पाया अपनों के बीच अपनापन। अट्टालिकाएं खड़ी हो रही हैं, बस्तियां बस रही हैं मगर आदमी उजड़ता जा रहा है। पूरे देश में मानवीय मूल्यों का ह्रास, राजनीति अपराध, भ्रष्टाचार, कालेधन की गर्मी, लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन, अन्याय, शोषण, संग्रह, झूठ, चोरी जैसे-अनैतिक अपराध पनपे हैं। धर्म, जाति, राजनीति-सत्ता और प्रांत के नाम पर नए संदर्भों में समस्याओं ने पंख फैलाये हैं। हर बार के चुनावों की तरह इस बार भी आप, हम सभी अपने आपको जीवन से जुड़ी अंतहीन समस्याओं के कटघरे में खड़ा पा रहे हैं। कहा नहीं जा सकता कि जनता की अदालत में कहां, कौन दोषी है? पर यह चिंतनीय प्रश्न अवश्य है हम इतने उदासीन एवं लापरवाह कैसे हो गये कि राजनीति को इतना आपराधिक होने दिया? जब आपके द्वार की सीढ़ियां मैली हैं तो अपने पड़ौसी की छत पर गन्दगी का उलाहना मत दीजिए। कोई भी अच्छी शुरूआत सबसे पहले स्वयं की की जानी जरूरी है। देश के लोकतंत्र को हांकने वाले लोग इतने बदहवास होकर निर्लज्जतापूर्ण कारनामे करेंगे, इसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। चौराहे पर खड़ा आदमी सब कुछ देख रहा है। उसे कुछ सूझ नहीं रहा कि वह कौन सी राह पकड़े। आम आदमी सरकार ने शराब-शिक्षा में घोटाले किए, दागी चिन्हित भी हुए लेकिन आप सरकार ने भ्रष्टाचार को लेकर दोहरे मापदंड अपना लिए। अपनों द्वारा किया गया भ्रष्टाचार कोई भ्रष्टाचार नहीं, राबर्ट वाड्रा के खिलाफ कुछ नजर नहीं आता और वे चुनाव लड़ने की बात करते हैं। बात केवल कांग्रेस की ही नहीं है, बात राजनीतिक आदर्शों की हैं। जिसकी वकालत करते हुए कभी अन्ना हजारे तो कभी बाबा रामदेव, कभी केजरीवाल तो कभी श्री रविशंकरजी जन-आन्दोलन की अगवाई करते देते थे, अब ना तो ऐसे आन्दोलन होते हैं न ही उन पर विश्वास रहा। हमारे भीतर नीति और निष्ठा के साथ गहरी जागृति की जरूरत है। नीतियां सिर्फ शब्दों में हो और निष्ठा पर संदेह की परतें पड़ने लगें तो भला उपलब्धियों का आंकड़ा वजनदार कैसे होगा? बिना जागती आंखों के सुरक्षा की साक्षी भी कैसी! एक वफादार चौकीदार अच्छा सपना देखने पर भी इसलिए मालिक द्वारा तत्काल हटा दिया जाता है कि पहरेदारी में सपनों का खयाल चोरी को खुला आमंत्रण है। भाजपा जो हमेशा राजनीतिक शुचिता की बात करती रही, उसकी शुचिता कहां है? कितने दागी एवं अपराधी नेताओं को उसने अपने दल में जगह ही नहीं दी, टिकट तक दे दिया। हो सकता है 400 के बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिये भाजपा की कुछ मजबूरियां हो। कमल तो खिलेगा ही, लेकिन उस खिलाहट में मजबूरियों के नाम पर मूल्यों के साथ समझौता नहीं होता तो यह लोकतंत्र को स्वस्थ बनाने का एक अनूठा उदाहरण होता। श्रीमती इन्दिरा गांधी ने कभी कहा था कि व्यक्ति को अपने जन्म से नहीं बल्कि कर्म से पहचाना जाना चाहिए, यह वाक्य उनके पोते राहुल गांधी पर भी लागू हो रहा है। वे तमाम सुखों एवं सुविधाओं में पले-बढ़े और उन्होंने जीवन में कोई संघर्ष नहीं किया या ये कहें कि जीवन के लिए संघर्ष करने की उनके सामने कोई नौबत नहीं आई। कहते हैं- जा के पैर न परी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई। जब आप लोगों की पीड़ा को उसी भाव से महसूस नहीं कर पाते तो दूसरों को आपकी बात पर भरोसा नहीं हो पाता। इस भरोसे को पाने के लिए उस पीड़ा को पहले खुद भुगतना होता है। यही वजह है कि राहुल गांधी सच्ची और ठीक बात कहते हैं तब भी लोग उसे उस सच्चाई के साथ, उस भाव में अंगीकार नहीं कर पाते। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों का मौजूदा यह आचरण स्वीकार्य नहीं। पूरा राजनीतिक वातावरण ही हास्यास्पद हो चुका है। यदि हालात नहीं सुधरे तो राजनीतिक दलों की दुर्गति तय है। बदलती राजनीतिक सोच एवं व्यवस्था के मंच पर बिखरते मानवीय मूल्यों के बीच अपने आदर्शों को, उद्देश्यों को, सिद्धांतों को, परम्पराओं को और जीवनशैली को हम कोई ऐसा रंग न दे दें कि उससे उभरने वाली आकृतियां हमारी भावी पीढ़ी को सही रास्ता न दिखा सकें।

स्मरणीय

जब झुंझुनू से चुनाव हार गए थे उद्योगपति कृष्ण कुमार बिड़ला

हरियाणा सीमा पर स्थित राजस्थान का झुंझुनू जिला एक तरफ जहां पूरे देश में सैनिकों के लिए जाना जाता है। वहीं दूसरी तरफ देश के बहुत से बड़े-बड़े उद्योगपति भी झुंझुनू जिले के रहने वाले हैं। हालांकि सभी बड़े उद्योगपति झुंझुनू जिले से बाहर जाकर अपना व्यवसाय बढ़ा कर उद्योग जगत में अपना नाम कमाया है। मगर कई बार औद्योगिक घरानो के परिवार के सदस्य अक्सर झुंझुनू आते रहते हैं। इसी तरह भारतीय सेना में देश में किसी एक जिले से सबसे अधिक सैनिक झुंझुनू जिले के जवान है। वही देश में सबसे अधिक शहीद भी झुंझुनू जिले के सैनिक हुए हैं। देश में लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। सभी जगह चुनावी चर्चाएं जोरों से चल रही है। झुंझुनू जिले में 1971 का लोकसभा चुनाव पूरे देश में चर्चित रहा था। उस समय देश के सबसे बड़े उद्योगपतियों में शुमार बिड़ला घराने के कृष्ण कुमार बिड़ला स्वतंत्र पार्टी से झुंझुनू लोकसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतरे थे। उनके सामने कांग्रेस पार्टी ने एक साधारण किसान के घर जन्मे शिवनाथ सिंह गिल को चुनाव मैदान में उतारा था। पिलानी के रहने वाले बड़े उद्योगपति घनश्याम दास बिड़ला के सुपुत्र कृष्ण कुमार बिड़ला का उस समय देश के उद्योग जगत में एक बड़ा नाम होता था। लाखों की संख्या में लोग बिड़ला घराने के औद्योगिक संस्थानों में काम करते थे। दूसरी तरफ बैंकों के राष्ट्रीयकरण व पाकिस्तान युद्ध में मिली जीत के बाद प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की देशभर में हवा चल रही थी। उस समय देश में इंदिरा गांधी आई है, नई रोशनी लाई है नारा बहुत चर्चित हुआ था। उस नारे की बदौलत देश में कांग्रेस की ऐसी हवा चली थी कि विपक्ष के कई बड़े धुरंधर नेता चुनाव हार गए थे। इंदिरा गांधी ने बिड़ला घराने के कृष्ण कुमार बिड़ला को हराने के लिए जिले के धमोरा गांव के शिवनाथ सिंह गिल को चुनाव मैदान में उतार दिया था। उस समय शिवनाथ सिंह गिल गुढ़ा क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक थे। चुनाव में एक तरफ देश के सबसे धनवान प्रत्याशी थे तो दूसरी तरफ कांग्रेस के एक साधारण किसान चुनाव लड़ रहा था। उस वक्त के चुनाव में धनवान बनाम किसान का नारा लगा था। स्वतंत्र पार्टी के प्रत्याशी कृष्ण कुमार बिड़ला ने अपने कल कारखानों में कार्यरत झुंझुनू जिले के सभी लोगों को चुनाव प्रचार के लिए झुंझुनू भेज दिया था। बिड़ला की ओर से बड़े भव्य तरीके से चुनाव लड़ा जा रहा था तथा जमकर पैसा खर्च किया जा रहा था। वहीं दूसरी तरफ शिवनाथ सिंह गिल सामान्य प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे थे। जब चुनाव नतीजे आए तो सभी राजनीतिक पर्यवेक्षक दंग रह गए। बड़े-बड़े राजनीतिक भविष्यवक्ताओं की भविष्यवाणी फेल हो गई। देश के सबसे बड़े उद्योगपति परिवार के कृष्ण कुमार बिड़ला को कांग्रेस के एक किसान परिवार के प्रत्याशी शिवनाथ सिंह गिल ने 98949 वोटो के अंतर से चुनाव हार दिया था।

युवती बोली-बेटा नहीं होने पर ससुराल वाले मारपीट करते, बहन से शादी करना चाहता था पति

पत्नी की हत्या करने आया, चाचा ससुर को मार डाला

विश्वास का तीर

गुना में बेटी से दूसरी शादी नहीं कराने पर एक शख्स की हत्या के मामले में सभी आरोपी फरार हैं। मुख्य आरोपी मृतक के बड़े भाई के समधी हैं। दरअसल, हमलावर अपनी पत्नी को मारने आया था, लेकिन चाचा ससुर पर का मर्डर कर दिया। गोपालगढ़ गांव में गुरुवार-शुक्रवार रात भूरा (40) बंजारा पर धनराज बंजारा, उसके बेटे कोमल ने सात-आठ लोगों के साथ सोते समय फायरिंग कर दी। उसे बचाने आई भूरा की बेटी पिंकी पर भी फायरिंग की। इसमें भूरा की मौत हो गई, जबकि पिंकी घायल है। गांव में एक पठार पर 10-15 घरों का डेरा है। कच्चे रास्ते से होते हुए हम वहां पहुंचे। दूसरे छोर पर भूरा बंजारा का अंतिम संस्कार किया जा रहा था। टीम भूरा के घर पहुंची, तो वहां आंगन में महिलाएं गमगीन थीं। भूरा की पत्नी बेसुध थी। आंगन में पेड़ के नीचे रिश्तेदार बैठे थे। भूरा बंजारा 3 भाई हैं। वह सबसे छोटा था। सबसे बड़ा भाई दयाराम और उससे छोटा गंगा बंजारा है। धनराज अपने बेटे कोमल की दूसरी शादी भूरा की बेटी पिंकी से कराना चाहता था, लेकिन भूरा राजी नहीं था।

आधी रात में 4 बाइक से आए, ताबड़तोड़ फायरिंग की

मृतक भूरा के बड़े भाई गंगा बंजारा ने बताया कि %रात 12ः30 बजे चार बाइक घर के बाहर से गुजरीं। वह बड़े भाई दयाराम बंजारा के घर की तरफ गईं। हम समझ गए कि दयाराम के समधी धनराज साथियों के साथ आए हैं। वह हमला कर सकते हैं, क्योंकि उनके साथ पैसों के लेनदेन का भी विवाद चल रहा है। मैंने दयाराम को कॉल कर सतर्क कर दिया। दयाराम ने पड़ोसियों को इकट्ठा कर लिया। इस कारण आरोपी हमला नहीं कर पाए और वापस लौट गए। मेरी मौसी का घर भी पास में ही है। आरोपी रात 2 बजे मौसेरे भाई परसराम के घर भी पहुंचे। उनमें से एक ने उन पर बंदूक तान दी। उससे भूरा के घर का पता पूछा और थप्पड़ मार दिया। शोर सुनकर वे चले गए। कुछ दूर ही मेरा और भूरा का घर है। शोर सुनकर मैं, भूरा और पिंकी परसा के घर की तरफ भागे। रास्ते में समधी धनराज, दामाद कोमल और उसके अन्य साथी मिल गए। ये लोग चार बाइक पर सवार थे। करीब 8-10 लोग होंगे। उन्होंने पहले भूरा पर फायर किया। इससे वह निढाल होकर गिर पड़ा। इसके बाद भूरा की बेटी पिंकी पर भी गोली चला दी। गोली पिंकी के कंधे पर लगी। सभी गाली-गलौज करते हुए भाग गए। मैं बाउंड्री के पीछे छिप गया, तो बच गया। उनके जाने के बाद दोनों को अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने भूरा को मृत घोषित कर दिया।

युवती बोली- ससुराल वाले बेटे के लिए प्रताड़ित करते थे

दयाराम की बड़ी बेटी जशोदा ने बताया, 'मेरी शादी को 7 साल पहले धनराज के बेटे कोमल से परांठ गांव में हुई थी। मैंने दो बेटियों को जन्म दिया। बेटा नहीं होने पर पति रोजाना ताने देता था। कहता था- लड़का नहीं है तेरे को, भगा दूंगा। तुझे नहीं रखूंगा। रोजाना गाली-गलौज और मारपीट करता था। ससुराल वाले भी प्रताड़ित करते थे। मैं बीमार हो रही थी। इलाज भी नहीं कराया। पिछले रविवार पापा मुझे घर ले आए। उन्होंने ही इलाज कराया। वो मुझे ही मारने आए थे, लेकिन चाचा को मार दिया।'

छोटे भाई की बेटी से दूसरी शादी करना चाहते थे

मृतक के बड़े भाई गंगा ने बताया कि आरोपी भूरा की बेटी से उसके लड़के की शादी कराने का दबाव बना रहे थे। उनका कहना था कि जिस लड़की से शादी हुई, उसे बेटा नहीं हो रहा। इसलिए भूरा अपनी बेटी पिंकी से उसकी शादी करा दे। भूरा ने पिंकी की शादी दूसरी जगह तय कर दी थी।

16 को दिग्विजय-शिवराज 19 को भरेंगे नामांकनः दो दिन की छुट्टी के बाद सिंधिया, बरैया भरेंगे पर्चा; बीएसपी कैंडिडेट घोषित नहीं

विश्वास का तीर

प्रदेश में तीसरे चरण के लिए शुरू हुई लोकसभा चुनाव की नामांकन प्रक्रिया अब 2 दिन के अवकाश के बाद सोमवार को शुरू होगी। इस चरण में कांग्रेस और भाजपा के कई दिग्गज चुनाव मैदान में अपना नामांकन दाखिल करेंगे। इनमें पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान, दिग्विजय सिंह, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शामिल हैं। पहले दिन नामांकन शुरू होने के बाद छह सीट पर 7 प्रत्याशियों के नामांकन भरे गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 19 अप्रैल को विदिशा और दिग्विजय सिंह राजगढ़ लोकसभा सीट पर मंगलवार 15 अप्रैल को नामांकन भरेंगे। विदिशा लोकसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी प्रताप भानु शर्मा ने पहले दिन नामांकन भर दिया है जबकि भाजपा से पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान प्रत्याशी हैं। अभी उनके नामांकन की तारीख तय होना बाकी है। भिंड से कांग्रेस के फूल सिंह बरैया की भी नामांकन तारीख तय होना बाकी है। चरण के नामांकन के लिए अब उम्मीदवारों को चार दिन का समय मिलेगा। शुक्रवार को नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के बाद शनिवार और रविवार तथा बुधवार को राम नवमी का अवकाश है।

इसलिए सोमवार, मंगलवार, गुरुवार व शुक्रवार को ही नामांकन जमा किए जा सकेंगे।

बीएसपी का कैंडिडेट घोषित होना बाकी

दूसरी चरण में बैतूल लोकसभा सीट से प्रत्याशी रहे अशोक भलावी की हार्ट अटैक से मौत के बाद बीएसपी ने अभी इस सीट से कैंडिडेट घोषित नहीं किया है। चुनाव आयोग ने कहा है कि इस सीट पर जो 13 कैंडिडेट थे उनमें से 12 कैंडिडेट यथावत रहेंगे और तेरहवें कैंडिडेट के रूप में बीएसपी का नया प्रत्याशी अपना नामांकन भर सकेगा। बीएसपी का प्रत्याशी भी अब अगले चार दिनों में ही नामांकन दाखिल कर सकेगा।

पहले दिन इनके नामांकन हुए जमा

- मनीष श्रीवास्तव, गुना,सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर आफ इंडिया।
- मुदित भटनागर, भोपाल, सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर आफ इंडिया।
- रचना अग्रवाल, ग्वालियर, सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर आफ इंडिया।
- विदिशा मो. तलत खान तलत निर्दलीय
- विदिशा प्रतापभानु शर्मा कांग्रेस
- राजगढ़ अनिल जैन निर्दलीय
- राजगढ़ अशोक पवार समता समाधान पार्टी

शाह ने कहा कि बीते 10 वर्ष में मोदी जी ने असंभव दिख रहे कार्यों को पूरा किया है। 10 साल का मोदी जी के पास रिकॉर्ड है और आने वाले 25 वर्षों की प्लानिंग है। इसलिए इस बार के चुनाव में मोदी जी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाना है।

ग्वालियर में मर्डर को हादसा बताने के लिए शव को कार से रौंदा

बीमा के लिए कराई पति की हत्या

विश्वास का तीर

ग्वालियर में एक महिला ने 20 लाख रुपए की बीमा पॉलिसी का क्लेम पाने के लिए अपने पति की हत्या की साजिश रची। हत्या को सड़क हादसा दिखाने के लिए प्लानिंग की। प्लान के मुताबिक वह पति, जीजा और उसके साथियों के साथ कार में घूमने निकली। रास्ते में आरोपियों के साथ मिलकर पति का गला घोंट दिया। इसके बाद उसके शव को कार से कई बार रौंदा गया। घटना 3-4 अप्रैल की दरमियानी रात को चीनौर की है। अगले दिन सड़क पर पुलिस को युवक का शव मिला था। पुलिस ने घटना के 9 दिन बाद शनिवार को मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस ने बताया कि मृतक युवक की पत्नी ही इस वारदात की मास्टरमाइंड है। उसने अपने जीजा, जीजा के साढू व दो अन्य दोस्तों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पुलिस को क्लू मिला था। जिसके बाद आरोपी पत्नी, उसके जीजा, साढू समेत चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एक आरोपी फरार है।

4 अप्रैल को मिला था शव, चप्पल-

रामाधार, मृतक

सीमा जाटव, आरोपी पत्नी

मोबाइल थे गायब

ग्वालियर एसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि 4 अप्रैल की सुबह एक युवक का शव चीनौर थाना क्षेत्र के भौरी पुलिया के पास सड़क पर पड़ा मिला था। प्रारंभिक पड़ताल में घटनाक्रम एक्सीडेंट का प्रतीत हो रहा था, लेकिन घटना स्थल पर मृतक के जूते और चप्पल नहीं मिलने से मामले में शंका हुई। इसके साथ ही उसका मोबाइल भी नहीं मिला, जबकि सड़क हादसे में यह सारी चीजें स्पॉट के आसपास ही मिल जाती हैं।

आधार कार्ड से हुई शव की पहचान

पुलिस ने जब छानबीन की तो मृतक की जेब से आधार कार्ड मिल गया। इसके आधार पर उसकी पहचान सुसेरा गांव के रहने वाले रामाधार जाटव के रूप में हुई थी। जांच में पता चला कि युवक की पत्नी से कुछ अनबन चल रही थी। वह शराब पीने का आदी था। मामला उलझा था, मामले की जांच की जिम्मेदारी एएसपी देहात निरंजन शर्मा को दी और इसके बाद पुलिस जांच में जुट गई।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मिला हत्या का क्लू

पुलिस अभी तक जिसे संदिग्ध सड़क हादसा मान रही थी, असल में पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद पुलिस की जांच की थ्योरी ही बदल गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत थ्रॉटलिंग (गला घोंटकर हत्या) से होना पाई गई। इस पर पुलिस अलर्ट हुई और पुलिस ने मृतक के परिजन व उससे मिलने-जुलने वालों का रिकॉर्ड खंगाला। रिकॉर्ड खंगालने पर मृतक की पत्नी सीमा की भूमिका ही संदिग्ध नजर आई।

पत्नी ने कुछ दिन पहले बेचा था मकान

पुलिस ने जांच की तो पता चला कि मृतक की पत्नी ने कुछ समय पहले ही अपना मकान बेचा है और पति का लाइफ इंश्योरेंस कराया था। जब उसकी कॉल डिटेल निकाली तो कई लोगों से बातचीत होना पाया गया। घटना के समय भी मृतक की पत्नी और उसके साथियों की लोकेशन घटना स्थल पर थी। पुलिस ने शक के आधार पर सबसे पहले सीमा के जीजा सुरेंद्र और उसके साढू नरेंद्र को दबोचा। उन्होंने पूछताछ में बताया कि हम दोनों और अन्य साथियों का सीमा के पास आना जाना था। रामाधार इसका विरोध करता था। वह पत्नी सीमा से मारपीट भी करता था। उसे शराब पीने की लत थी। इससे परेशान होकर ही सीमा ने उससे मुक्ति दिलाने के लिए हमारे साथ मिलकर योजना बनाई थी।

दिसंबर में साजिश के तहत कराया था बीमा

पुलिस ने इसके बाद मृतक की पत्नी सीमा से पूछताछ की तो उसने भी अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी पत्नी ने बताया कि पति उसे दोस्तों से बात करने से रोकता-टोकता था। इसके चलते मैंने उसे रास्ते से हटाने की योजना बनाई थी। सबसे पहले उसका दिसंबर 2023 में जीवन बीमा कराया गया। जिसमें एक्सीडेंटल डेथ पर बीमा क्लेम के रूप में 20 लाख रुपए मिलने थे।

जमातखाने में गूंजा मोदी है तो मुमकिन है

भोपाल में बीजेपी प्रत्याशी ने लगवाए नारे; कांग्रेस ने कहा- ये आचार संहिता का उल्लंघन

विश्वास का तीर

भोपाल में बोहरा समाज के एक जमातखाने में पीएम मोदी के नाम के नारे लगे हैं। यहां मौजूद लोगों ने मोदी है तो मुमकिन है और अबकी बार 400 पार के नारे लगाए। लोगों के हाथों में मोदी के पोस्टर भी दिखे। इसका वीडियो सामने आया है। वीडियो में भोपाल लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी आलोक शर्मा भी नजर आ रहे हैं। बोहरा समाज के आमिल जौहर अली शाकिर भी दिख रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की। कहा- हम उनकी सफलता की कामना करते हैं। उनसे हमारे घर जैसे रिश्ते हैं। इधर, कांग्रेस ने इसे आचार संहिता का उल्लंघन बताकर कार्रवाई की मांग की है।

बीजेपी प्रत्याशी ने लगवाए मोदी के नारे

वीडियो 12 अप्रैल शुक्रवार का पुराने शहर के जुमेराती इलाके में स्थित दाउदी बोहरा समाज के जमातखाना का बताया जा रहा है। जहां उर्स को लेकर रात करीब 9:30 बजे एक मजलिस (सभा) हुई थी। जिसमें 400 से ज्यादा लोगों की मौजूदगी में बीजेपी प्रत्याशी आलोक शर्मा ने अपनी बात रखी और मोदी के नाम के नारे लगवाए।

बात करने से बच रहे प्रवक्ता

इस वीडियो पर दाऊदी बोहरा समाज के प्रवक्ता इब्राहिम अली दाउदी ने कहा- मैं इस बारे में कोई भी टिप्पणी नहीं कर सकता हूं, बस यह कह सकता हूं वह समाज की मस्जिद नहीं, बल्कि जमातखाना है। मस्जिद लिखकर जिस तरह से मामले को हाई लाइट किया जा रहा है, इससे पूरा बोहरा समाज नाराज है। वहीं, इस मामले में भाजपा प्रत्याशी अलोक शर्मा का कहना है कि बोहरा समाज के लोगों ने उन्हें अलीगंज वाले हॉल में बुलाया था। जो भी है, वीडियो में दिख रहा है।

बीजेपी ने कहा- मस्जिद में गूंजा हर-हर मोदी

बीजेपी के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने ट्वीट करते हुए लिखा कि तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों के मुंह पर तमाचा, मस्जिद में गूंजा हर-हर मोदी, घर-घर मोदी नारा। पीएम मोदी के समर्थन में की जमकर नारेबाजी। भोपाल की अलीगंज मस्जिद में बोहरा समाज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के पोस्टर के साथ लगाया अब की बार 400 पार का नारा। इस दौरान बोहरा समाज के प्रतिनिधियों से मिले बीजेपी के लोकसभा प्रत्याशी आलोक शर्मा। मोदी है तो मुमकिन है।

कांग्रेस ने बताया राजनीति के लिए धर्म का दुरुपयोग

इस मामले में कांग्रेस प्रवक्ता अब्बास हफीज ने कहा कि राजनीति के लिए धर्म का दुरुपयोग करना बीजेपी के नेताओं की आदत में है। भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा मस्जिद में जाकर नमाजियों से बीजेपी और मोदी जी के लिए नारे लगवा रहे हैं। क्या यह आचार संहिता का उल्लंघन नहीं है, मैं पूछना चाहता हूं कि चुनाव आयोग क्या इसमें कार्रवाई नहीं करेगा? अब्बास हफीज ने कहा- जिन बीजेपी के नेताओं को ईदगाह में लोगों से मिलने जाने पर बहुत तकलीफ होती है, जब अलोक शर्मा ने ऐसा किया तो क्या यह दोहरा चरित्र नहीं है। मैं बीजेपी के नेताओं और चुनाव आयोग से भी पूछता हूं कि क्या वह संज्ञान लेंगे ।

मंत्री अनुराग ठाकुर बोले- नकुल क्लीन बोल्ड होंगे

छिंदवाड़ा में कहा- उनके लिए छिंदवाड़ा पिकनिक स्पॉट, चुनाव ईवेंट और सांसद एंजॉय का पद

विश्वास का तीर

लोकसभा चुनाव में नकुलनाथ इस बार हिट विकेट या क्लीन बोल्ड होंगे। उनके लिए छिंदवाड़ा पसंदीदा पिकनिक स्पॉट है। चुनाव सिर्फ ईवेंट और सांसद पद जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एंजॉय करने का साधन है। यह कहना है कि केंद्रीय खेल, युवा मामलों और सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर का। अनुराग ठाकुर ने शनिवार को छिंदवाड़ा के पांढुर्णा में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक ली। यहां उन्होंने रोड शो भी किया। उन्होंने तिगांव और मोहखेड़ में लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू के समर्थन में सभा की। इससे पहले, उन्होंने मीडिया से बात की।

नकुलनाथ 5 साल एंजॉय वाले बयान पर पलटवार

4 अप्रैल को छिंदवाड़ा से कांग्रेस प्रत्याशी नकुलनाथ ने कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा था, 'मैं आपसे 12 दिन मांगता हूं। 12 दिन काम कर लीजिए, इसके बाद 5 साल एंजॉय करेंगे।' इस बयान पर केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने कहा- जब आपका सांसद आपकी आवाज न बने। जुबान बंद रखे। पांच साल केवल एंजॉय करने में लगा दे। उन्होंने कहा- नकुलनाथ छिंदवाड़ा की जनता के भरोसे को हवा में उड़ाकर एंजॉय करते हैं। उनके लिए चुनाव एक इवेंट है। छिंदवाड़ा उनका पसंदीदा पिकनिक स्पॉट है। उनके लिए सांसद पद जिम्मेदारी नहीं एंजॉय का पद है।

भारत ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया; एअर इंडिया ने ईरान के एयरस्पेस का इस्तेमाल बंद किया

ईरान-इजराइल जंग का खतरा, अमेरिका जंगी जहाज भेज रहा

विश्वास का तीर

ईरान-इजराइल में तनाव बढ़ता जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ईरान 2 दिन के भीतर इजराइल पर अटैक कर सकता है। इस बीच अमेरिका ने अपना वॉरशिप इजराइल भेजा है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका का एयरक्राफ्ट कैरियर स्स ड्वाइट आइजनहावर लाल सागर के रास्ते इजराइल पहुंच रहा है। ये ईरान की तरफ से दागी जाने वाली मिसाइल और ड्रोन को रोकने में सक्षम है। इधर, भारत समेत 6 देशों-अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस और जर्मनी ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें नागरिकों को ईरान और इजराइल न जाने की सलाह दी गई है। दरअसल, 1 अप्रैल को इजराइल ने सीरिया में ईरानी एंबेसी के पास एयरस्ट्राइक की थी। इसमें ईरान के दो टॉप आर्मी कमांडर्स समेत 13 लोग मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने बदला लेने के लिए इजराइल पर अटैक करने की धमकी दी थी।

ईरान के एयरस्पेस से उड़ान नहीं भर रही एअर इंडिया

टाइम्स ऑफ इंडिया कि रिपोर्ट के मुताबिक एयर इंडिया उन एयरलाइन्स में शामिल हो गया है जो ईरान के एयरस्पेस से नहीं गुजर रही हैं। आज सुबह एअर इंडिया की फ्लाइट 161 को साढ़े 4 बजे लंदन जाना था। हालांकि, इसने हमेशा का रूट नहीं लिया और दूसरे एयरस्पेस का इस्तेमाल किया। सामान्य हालातों में एयर इंडिया की यूरोप जाने वाली फ्लाइट पाकिस्तान-ईरान-तुर्किये-ब्लैक सी के रास्ते जाती हैं। शुक्रवार तक यही रूट फॉलो किया जा रहा था। ईरान में लगभग 4000 भारतीय रहते हैं। वहीं, इजराइल में 18500 प्रवासी भारतीय रहते हैं। हाल ही में भारत से 6 हजार कामगारों को कंस्ट्रक्शन के काम के लिए इजराइल भेजा गया था। हालांकि, इजराइल में भारतीय दूतावास ने अब तक किसी तरह की कोई एडवाइजरी इश्यू नहीं की है।

दावा- इजराइल में कई जगहों को निशाना बनाएगा ईरान

टाइम्स ऑफ इजराइल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि ईरान आने वाले दिनों में इजराइल और मिडिल ईस्ट में कई जगहों को निशाना बनाएगा। ईरान के अटैक से बचने के लिए अमेरिका इजराइल की मदद करेगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ईरान में क्रूज मिसाइलों और ड्रोन से जुड़ी भारी मुवमेंट ट्रैक की गई है। इसका मतलब ये हो सकता है कि हमला ईरान की धरती से हो सकता है।

नीदरलैंड ने तेहरान में दूतावास बंद किया

टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक कल हमले के खतरे को देखते हुए नीदरलैंड ने तेहरान में अपने दूतावास को बंद कर दिया है।

ऑस्ट्रेलिया की क्वांटास एयरलाइन ने भी फ्लाइट्स का रूट बदला

ईरान और इजराइल में बढ़ती टेंशन के बीच ऑस्ट्रेलिया की क्वांटास एयरलाइन ने पर्थ से लंदन जाने वाली फ्लाइट्स का रूट बदल दिया है।

लुफ्थांसा ने ईरान आने-जाने वाली अपनी सभी फ्लाइट्स कैंसल कीं

जर्मन एयरलाइन लुफ्थांसा का कहना है कि उसके विमान ईरानी हवाई क्षेत्र का उपयोग नहीं करेंगे। लुफ्थांसा ने 18 अप्रैल तक ईरान आने-जाने वाली अपनी सभी फ्लाइट्स कैंसल कर दी हैं।

ईरान-इजराइल से भारतीयों को बचाने की तैयारी

ईरान में लगभग 4,000 भारतीय रहते हैं। वहीं, इजराइल में 18,500 प्रवासी भारतीय रहते हैं। न्यूज एजेंसी क्क्रढ्ढ ने बताया कि भारत दोनों देशों से भारतीयों को बचाकर वापस देश लाने की तैयारी कर रहा है। इसके अलावा वहां भारतीयों के लिए सुरक्षा के इंतजाम किए जा रहे हैं।

ऑस्ट्रिया ने ईरान जाने वाली फ्लाइट्स कैंसल कीं

यूरोपीय देश ऑस्ट्रिया ने ईरान जाने वाली सभी फ्लाइट्स 6 दिनों के लिए कैंसल कर दी हैं। ऑस्ट्रियन एयरलाइंस ने कहा कि मिडिल-ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच विएना से तेहरान जाने वाली सभी फ्लाइट्स को 18 अप्रैल तक के लिए कैंसल कर दिया गया है।

ईरान के लिए सद्दाम हुसैन से भिड़ा था इजराइल

ईरान अगले 48 घंटे में इजराइल पर हमला कर सकता है। अमेरिकी सेना के बड़े अधिकारियों के हवाले से छ्क्क्रू न्यूज ने दावा किया है कि ईरान 100 से ज्यादा ड्रोन और दर्जनों मिसाइलों के जरिए एकसाथ हमले की तैयारी कर रहा है। दोनों देशों के बीच तनाव इस हद तक बढ चुका है कि अमेरिकी सेना के अधिकारी इजराइल पहुंच चुके हैं। अमेरिका, चीन और सऊदी को फोन लगाकर सुलह की कोशिश कर रहा है। ईरान और इजराइल लंबे समय से एक-दूसरे से प्रॉक्सी वॉर लड़ रहे हैं। हालांकि, दोनों देशों के बीच कभी सीधे तौर पर बड़ी जंग नहीं हुई है। ईरान पर आरोप है कि वह अक्सर हमास और हिजबुल्लाह जैसे संगठनों के जरिए इजराइल या उसके दूतावास पर हमले करवाता है। वहीं, इजराइल इन हमलों का जवाब सीधे तौर पर हमास, हिजबुल्लाह या ईरानी ठिकानों पर हमला कर देता है। 1 अप्रैल 2024 को सीरिया में ईरानी एंबेसी के पास इजराइली सेना की एयरस्ट्राइक इसी प्रॉक्सी वॉर का हिस्सा था। इसमें ईरान के दो टॉप आर्मी कमांडर्स समेत 13 लोग मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने इजराइल से बदला लेने की धमकी दी है।

ईरान ने 1948 में ही दे दी थी इजराइल को मान्यता

साल 1948, मिडिल ईस्ट में फिलिस्तीन की जगह पर इजराइल नाम से एक नया यहूदी देश बना। मिडिल ईस्ट के ज्यादातर मुस्लिम देशों ने इजराइल को मान्यता देने से इनकार कर दिया। इस वक्त तुर्किये के बाद ईरान दूसरा मुस्लिम राष्ट्र था, जिसने 1948 में ही उसे देश के तौर पर स्वीकार कर लिया। कहा जाता है कि ईरान ने कभी खुलकर इजराइल से दोस्ती का इजहार नहीं किया था। सब कुछ पर्दे के पीछे होता था। दोनों में नजदीकियां तब और भी बढ़ गईं जब एक अमेरिकी खुफिया ऑपरेशन ने ईरान में अपनी कठपुतली सरकार बनवा दी। दरअसल, 15 अगस्त 1953 को जब भारत अपना छठा गणतंत्र दिवस मना रहा था, तब अमेरिकी खुफिया एजेंसी ईरान में एक चुनी हुई सरकार को गिराने की कोशिश कर रही थी। इस काम को अंजाम दे रहा था- ईरानी सेना का जनरल फजलुल्लाह जाहेदी। खुफिया एजेंसी से इस तख्तापलट की जानकारी मिलते ही ईरान के राष्ट्रपति मोहम्मद मोसादेग अलर्ट हो गए। उन्होंने सरकार के खिलाफ आंदोलन की तैयारी कर रहे दर्जनों लोगों की गिरफ्तारी का आदेश दिया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सपांदक आपयुष राजपूत द्वारा कविता आर्फसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- आपयुष राजपूत, मो.7247257823, 7999252366 (प्रति शुक्रवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2022/83636